

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

परमात्म इशारे

Powerful वह आत्मा है,
जिसके मुख पर नहीं,
परन्तु दिल में भगवान का नाम
समाया हुआ है।



CH. 1221

d2h

CH. 1087

dishtv

CH. 1065

TATA PLAY

CH. 678

airtel
digital TV

CH. 496

SUN
DIRECT



परमात्मा कहते हैं...

“

बिगड़े हुए कार्य को, बिगड़े हुए संस्कारों

को, बिगड़े हुए मूड को शुभ भावना से

ठीक कर देना - यही श्रेष्ठ सेवा है।”



BK Dr.Damini



♥ हे मेरे मीठे, लाडले बच्चे...

तुम यह शरीर नहीं
परन्तु शरीर को चलाने
वाली एक आत्मा हो
निराकार, ज्योति स्वरूप,
प्रकाश स्वरूप आत्मा...

Words of Wisdom

"बड़ा व्यक्ति वह नहीं, जो दूसरों से
मिलते समय उन्हें छोटा और स्वयं
को बड़ा समझे,
बड़ा व्यक्ति वह है, जिससे मिलकर
एक छोटा व्यक्ति भी स्वयं को बड़ा समझे"

Om Shanti

अव्यक्त शिक्षाएँ



ब्राह्मण जीवन का लक्ष्य है - कर्मातीत स्थिति को पाना। तो लक्ष्य को प्राप्त करने के पहले अभी से इसी अभ्यास में रहेंगे तब ही लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। इस लक्ष्य को पाने के लिए विशेष स्वयं में समेटने की शक्ति, समाने की शक्ति आवश्यक है। क्योंकि विकारी जीवन वा भक्ति की जीवन दोनों में जन्म- जन्मान्तर से बुद्धि का विस्तार में भटकने का संस्कार बहुत पक्का हो गया है। इसलिए ऐसे विस्तार में भटकने वाली बुद्धि को सार रूप में स्थित करने के लिए इन दोनों शक्तियों की आवश्यकता है।



“अब नहीं तो कभी नहीं”

जैसे समय समीप आ रहा है, तो निमित्त बनी हुई विशेष आत्माओं को पुरुषार्थ यह करना है कि समय से तेज दौड़ लगायें। ऐसे नहीं कहना है कि इतना समय पड़ा है, कमी दूर हो ही जाएगी। नहीं। यह बुद्धि में रखना है कि अभी नहीं तो कभी नहीं। हर संकल्प, हर सेकेण्ड के लिए यह स्लोगन कि अब नहीं तो कभी नहीं। जब ऐसे अभी के संस्कार भरेंगे तो ऐसी अभी कहने वाली आत्मायें सतयुग के आदि में आयेंगी। कभी कहने वाले मध्य में आयेंगे। कभी कहने वाले समय का इन्तज़ार करते हैं। तो पद में भी इन्तज़ार करेंगे। तो हर सेकेण्ड, हर संकल्प में यह स्लोगन याद रहे। अगर यह पाठ पक्का नहीं होगा तो सदैव कमजोरी के संस्कार रहेंगे। महावीर के संस्कार हैं - ‘अब नहीं तो कभी नहीं!’ हमारे से ये आगे हैं, यह करेंगे तो हम करेंगे - यह अलबेलेपन के संस्कार हैं। जो संकल्प आया वह अब करना ही है। कल नहीं आज, आज नहीं अब, अर्थात् अभी करना है।



“ 3 विशेषताएँ और 3 कमज़ोरियाँ लिखें -

- (a) परिवार - (b) दोस्त -
(c) सहकर्मी - (d) अपनी -

कहीं ऐसा तो नहीं दूसरों के बारे में जल्दी
लिख लिया और अपने लिए सोचना पड़ा ?

कुछ समय रोज़ अपने साथ बिताइये।
खुद को समझने से औरों को समझना
बहुत आसान हो जायेगा।

”



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org